तापमान
अधिकतम 32 .3 डिग्री
न्यूनतम 23 .6 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि
रोहतक, सोमवार, 8 जुलाई 2024

11 56 करोड़ से हुए विकास कार्य : कृष्ण

12 शिविर में 75 लोगों ने किया रक्तदान

खबर संक्षेप

बुजुर्ग दंपती पर पोते ने किया हमला, केस

सोनीपत। शहर के वेस्ट रामनगर की बुजुर्ग ने अपने पौत्र पर हमला करने का आरोप लगाया है। आरोप है कि जायदाद के लिए पौत्र ने दादा-दादी के साथ पिता पर भी हमला किया। उसने पिता की आंख पर गंभीर चोट मार दी। साथ ही मारने की धमकी दी। शहर थाना पुलिस मामले में कार्रवाई कर रही है। बुजुर्ग दर्शना ने पुलिस को बताया कि जायदाद को लेकर उनका पौत्र उनसे रंजिश रखता है। उसने 20 जून की रात को घर आकर अपने दादा को जान से मारने की धमकी दी और कहा कि मकान के सभी कागजात उसे दे दो, नहीं तो जान से मार देगा। वह उनकी जायदाद अपने नाम कराने की धमकी देने लगा। दादी का आरोप है कि बाद में उसने अपने पिता के साथ उनके व दादा के साथ मारपीट की। उसने अपने पिता की आंख पर गंभीर चोट मार दी।

रंजिश में भाई के सिर पर बोतल मारी

सोनीपत । गांव भिगान के युवक ने अपने चचेरे भाई पर रंजिशन सिर में बोतल मारने का आरोप लगाया है। आरोप है कि जब बड़ा भाई बचाव में आया तो उनके हाथ पर भी बोतल मार दी। घायल युवक को गंभीर हालत में पीजीआई रोहतक में उपचार दिलवाया गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।रिषभ ने बताया कि वह रात को नौ बजे अपने कार्यालय से घर आ रह थे। रास्ते में उनका चचेरा भाई मिल गया। उसने रंजिशन उनका रास्ता रोक लिया और सिर में कांच की बोतल से हमला कर दिया। जिससे वह लहूलुहान हो गए। जब उनके बड़े भाई बचाव में आए तो आरोपी ने उनके हाथ पर भी बोतल से हमला कर दिया। बाद में वह जान से मारने की धमकी देकर भाग गया।

चरस सहित युवक गिरफ्तार, केस दर्ज

सोनीपत। सेक्टर-27 सोनीपत पुलिस टीम ने मादक पदार्थ तस्करी की वारदात में शामिल आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपित सुभाष निवासी फरमाणा का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे जमानत मिल गई। सहायक उप निरीक्षक राजेश ने बताया कि उनकी टीम जांच के दौरान फरमाणा-आंवली रोड पर मौजूद थी। उसी दौरान टीम ने संदिग्ध हालत में एक युवक आते हुए दिखाई दिया। उसे रोककर उसकी तलाशी ली तो उसे पास जेब से मादक पदार्थ मिला। जिसका वजन करने पर 58 ग्राम चरस बरामद हुई है। आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर अदालत में पेश किया। जहां से उसे जमानत पर रिहा कर दिया।

रफ्तार का कहर : बाइक और स्कूटी सवार नहीं पहनते हेलमेट

ओवर स्पीडिंग से सड़कें 'लाल' इस साल 150 की जा चुकी जान

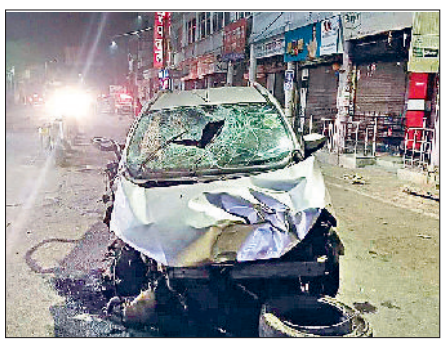

- सड़कों पर प्रतिदिन हो रहे हादसों के आंकड़े डराने वाले
- सड़क सुरक्षा नियमों की अवेहलना से खतरे में जानमाल

सुनील छिक्कारा ⏭ सोनीपत

जिले में तेज रफ्तार के कहर ने कई घरों के चिरागों को बुझाया है। अलग-अलग सड़क हादसों में सोनीपत जिले की सड़कों इस वर्ष 150 के करीब लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि हादसे में घायल होने वाले की संख्या भी इतने के करीब है। हर महीने हादसों में किसी ने किसी ने अपनो को खोने का काम किया है। हादसे में मौत के कारणों की पड़ताल की जाएं तो ज्यादातर वाहनों की स्पीड ही मुख्य कारण है। वहीं हादसे में दो-पहिया वाहन चालकों द्वारा हेल्मेट न पहने की वजह से सिर में चोट लगने के लिए मौत का मुख्य कारण माना जा रहा है। पुलिस विभाग की तरफ से शहर के अलग-अलग स्कूल व कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम किए जाते है, लेकिन सड़कों पर होने वाले हादसे कम होने का नाम नहीं ले रहे है।बता दें कि पुलिस विभाग की तरफ हर साल स्कूल-कॉलेजों में जाकर यातायात दिवस मनाया जाता है। इस दिवस को विभाग की तरफ से महीने पर 15 दिनों तक चलाया जाता है। ताकि जिले में हो रहे सड़क हादसे में कमी लाई जा सके, लेकिन उसके वावजूद सड़क हादसे में कमी नहीं आ रही है। गत वर्ष के आकड़ों को देखा जाएं तो तीन सौ से ज्यादा लोगों की जान सड़क हादसे में जा चुकी है। जिले के मुख्य सड़क मार्गो हो या शहर के बीचों-बीच के सड़क मार्ग हर रोज लाल हुए है। हादसे में किसी ने अपने भाई को खोया तो किसी ने अपने बेटे-पति को खोया है। वाहन चालक शहर की सड़कों पर मौत का ताड़व करते नजर आते है। पुलिस विभाग के तमाम प्रयासों के चलते लोग अपनी जान के साथ दूसरों की जान-जोखिम में डाल रहे है।

जीटी रोड पर लापरवाही पड़ रही भारी

राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-44 पर स्थित मुरथल के ढाबों पर दिल्ली के लोग पराठों का स्वाद चखने के लिए आते है। ज्यादातार वाहन चालकों में दो-पहिया वाहन चालक होते है। जो आते व जाते समय किसी ने किसी कारणों के चलते सड़क हादसों का शिकार हो जाते है। वर्ष 2023 की बात करें तो जिले में सड़क मार्गो पर 349 घातक सड़क हादसे हुए है। गत वर्ष जनवरी माह से मई माह तक 158 हादसे दर्ज किए गए थे, वहीं जनवरी 2024 से मई माह तक हुए हादसों की बात करे तो 149 हादसे हो चुके है। वहीं अकेले मई 2023 में 37 हादसे दर्ज किए है। वर्ष 2024 में मई माह में 32 हादसे दर्ज किए जा चुके है।

2024 में हुए हादसे

माह	घातक हादसे	गंभीर हादसे
जनवरी	19	26
फरवरी	29	24
मार्च	38	32
अप्रैल	30	27
मई	32	36
जून	38	37

नोटः-उक्त आकड़े पुलिस विभाग की तरफ से मुहैया करवाएं गए है

जनवरी में इको ने चार लोगों को कुचल दिया था

शहर के बहालगढ़-सोनीपत सड़क मार्ग पर जनवरी 2024 में दर्दनाक हादसे के साथ शुरूआत हुई थी। जनवरी माह में इको स्पोर्टस कार चालक ने तेज रफ्तार कार से साइकिल व स्कूटी पर सवार होकर कमरे में लौट रहे पांच नेपाल के रहने वालों को कुचल दिया था। रफ्तार इतनी थी कि कार ने स्कूटी व साइकिल के परच्खचे उड़ा दिए थे। सड़क मार्ग पर रात करीब 12.15 बजे हुए सड़क हादसे में खिला बहादुर (50) निवासी नेपाल, दल बहादुर (45) निवासी तारा नगर व कुम्हार बहादुर (40)निवासी डूंगा नेपाल के साथ साइकिलों पर जागृति धाम से काम निपटाकर वापिस कमरे पर लौट रहे थे। उनके साथ अर्जुन सुनवार (24) गांव हरिवन नेपाल हाल तारानगर अपनी स्कूटी पर सवार होकर साथ आ रहा था। जब वह सभी मामा-भांजा चौक के पास स्थित मैमोरियल अस्पताल के सामने पहुंचे। उसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आई ईको स्पोर्ट्स गाड़ी ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर मारने के बाद गाड़ी चालक उन्हें कुचलते हुए आगे दीवार से जा टकराया। हादसे में साइकिल व स्कूटी सवार सभी घायल हो गए। घायलों को राहगीरों की मदद से उपचार के लिए अस्पताल में लाया गया। जहां चिकित्सक ने चारों को मृत घोषित कर दिया था। वहीं कुछ दिनों बाद दिल्ली के अस्पताल में कार चालक की भी मौत हो गई थी।

स्कूलों व कॉलेजों में कर रहे जागरूक

समय-समय पर लोगों को जागरूक करने का काम किया जाता है। सामाजिक संगठनों के साथ मिलकर स्कूल कॉलेजों में जागरूकता अभियान चलाएं जाते है। साथ ही लापरवाही बरतने वाले वाहन चालकों के खिलाफ समय-समय पर कार्यवाही अमल में लाई जाती है। मुख्य मार्गो पर गलत लाइन में वाहन चलाने वालों के चालान काटे जाते है।

-मनबीर सिंह, डीसीपी

बैंयापुर में अब नहीं रहेगी पेयजल की किल्लत

बूस्टिंग स्टेशन का हुआ उद्घाटन

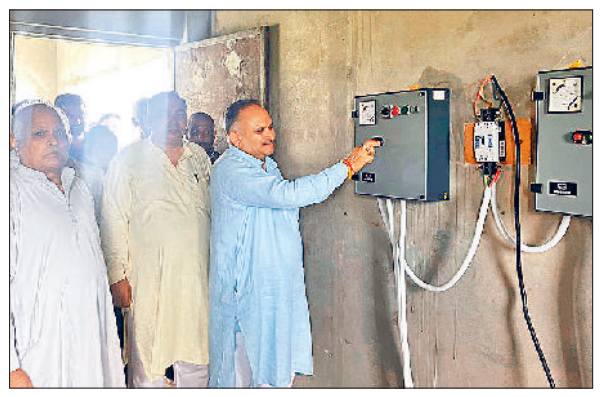

सोनीपत। बटन दबाकर उद्घाटन करते हुए भाजपा नेता।

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

बैंयापुर गांव में पीने के पानी की वर्षों पुरानी समस्या के समाधान के लिए पौने दो करोड़ रुपए की लागत से निर्मित बूस्टिंग स्टेशन का उद्घाटन करते हुए मुख्यमंत्री के पूर्व मीडिया सलाहकार राजीव जैन ने कहा कि भाजपा सरकार हर घर नल - हर घर जल पंहुचाने के लिए प्रतिबद्ध है। रविवार को अनुसूचित आयोग कि सदस्या मीना नरवाल के साथ ग्रामीणों द्वारा आयोजित अभिनंदन कार्यक्रम में पंहुचे राजीव जैन ने कहा कि सरकार ने इस क्षेत्र में विपक्ष का विधायक होने के बावजूद समान विकास के नारे के साथ पेयजल समस्या के समाधान के लिए लगभग ढाई करोड़ रुपए की राशि खर्च की है। हरसाना बूस्टिंग स्टेशन में हमेशा कच्चे पानी की कमी रहती थी, इसके लिए गांव से साढ़े तीन किलोमीटर दूर पश्चिमी यमुना नहर के किनारे ट्यूबवेल लगाकर पानी की आपूर्ति का प्रबंध किया गया है।

गांव में खुशी का माहौल : नरवाल

इससे पहले भी 75 लाख रुपए की लागत से एक ट्यूबवेल और लगाया गया था। इस अवसर पर मीना नरवाल ने कहा कि वह लगातार लोगों के बीच रहकर समस्याओं के समाधान के लिए प्रयास कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस राज के 10 वर्ष में कितना पैसा खर्च हुआ और भाजपा सरकार में कितने काम हुए, इसका हिसाब लगाकर देखोगे तो भाजपा का पलड़ा झुकता दिखाई देगा। बैंयापुर जन सेवा समिति के प्रधान सुलतान सरोहा तथा महेंद्र सरोहा ने दोनों नेताओं का पगड़ी पहनाकर स्वागत किया और कहा कि कई वर्षों से हम प्रयासरत थे परन्तु अब हमारी समस्या का समाधान हुआ है। इस अवसर पर जोगेंद्र शर्मा, रामकरण, बलबीर सरोहा, हिमाचल सरपंच, मनोज ठेकेदार, जय प्रकाश, मनोज, विशाल, विजय, अजय, दिलबाग, रमेश सरोहा सहित अनेकों ग्रामीण उपस्थित रहे।

समाधान शिविर में 105 इंतकाल संबंधी शिकायतों का निपटारा

खरखौदा में तहसीलदार ने सुनीं लोगों की समस्याएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ खरखौदा

समाधान शिविर के दौरान खरखौदा तहसीलदार मनोज कुमार के नेतृत्व में लोगों की समस्याएं सुनी। जिनमें 105 इंतकाल संबंधी समस्याओं का निपटारा किया गया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि इस तरह के कैंप आगे भी लगाए जाएंगे, ताकि लोगों की समस्याओं का समाधान हो सके। तहसीलदार मनोज कुमार के नेतृत्व में सुरेश गिरदावर, यशपाल गिरदावर, नरेंद्र गिरदावर सहित सभी गांव के पटवारी भी उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त जो शिकायतें एसडीएम कार्यालय में समाधान शिविर के दौरान आ रही हैं, जो राजस्व विभाग से संबंधित थी उनका भी निदान किया गया। जो शिकायतें किसी कारण से रह गई है, उन्हें भी जल्द निपटाया जाएगा। इस मौके पर अधिकारी मौजूद रहे।

स्वच्छ सोनीपत-हरित सोनीपत के लिए बढ़े कदम

अकाल वेलफेयर ग्रुप तेज करेगा पौधरोपण अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

- कॉलेज के विद्यार्थियों ने सोनीपत को हरा-भरा बनाने के लिए बनाया अकाल वेलफेयर ग्रुप

भागदौड़ भरी जिंदगी में जहां लोगों के पास खुद के लिए पर्याप्त समय नहीं है, ऐसे में कॉलेज के कुछ विद्यार्थियों ने मिलकर ऐसा ग्रुप बनाया है, जो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में बेहतर काम कर रहा है। अकाल वेलफेयर ग्रुप के संस्थापक एवं अध्यक्ष कनिष्क शर्मा व अक्षरा नारंग ने बताया कि वर्तमान समय में पर्यावरण प्रदूषित होता जा रहा है। ऐसे में हम सबका कर्तव्य बनता है कि प्रदूषित होते जा रहे पर्यावरण की रक्षा के लिए

कदम बढ़ाएं और पौधे लगाएं। अपने इसी कर्तव्य को पूरा करने के लिए ग्रुप बनाकर पौधरोपण अभियान शुरू किया है। कनिष्क शर्मा ने बताया कि करीब एक माह पहले शुरू किए गए अभियान के तहत अब तक सेक्टर 12 गेटवे कॉलेज, ऋषिहुड विश्वविद्यालय, गांव सांदल कलां, सेक्टर-15 पुलिस स्टेशन, गांव पुरखास, मुरथल अड्डा स्थित राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गांव जाहरी, मॉडल टाउन, जाट जोशी के दो स्कूल, ऋषि कॉलोनी, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी सहित अन्य स्थानों पर सैकड़ों पौधे लगाए हैं। वर्तमान में नागरिक अस्पताल व सेक्टर-14 में अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शुरूआत में दोस्तों ने मिलकर इस अभियान की शुरूआत की थी। धीरे-धीरे अन्य युवा भी हमारे साथ जुड़ते चले गए। इस समय ग्रुप में करीब 300 सदस्य पौधरोपण अभियान को मजबूती दे रहे है। पौधरोपण अभियान में ग्रुप के सलाहकार वंश अरोड़ा, स्वयंसेवक सलाहकार दीपांशु मित्तल, सामाजिक मीडिया प्रबंधक राघव शर्मा सहित अन्य सदस्य मिलकर जिले को हरा-भरा और स्वच्छ बनाने के लिए काम कर रहे हैं। कनिष्क शर्मा का कहना है कि हमारा मकसद सिर्फ पौधे लगाना नहीं, बल्कि चार साल तक उसका पालन-पोषण करना भी है। जिससे लगाए गए सभी पौधे पेड़ बन सकें।

पचास हजार रुपये रिश्वत लेने के आरोप में जिला दमकल अधिकारी निलंबित

नर्सिंग कॉलेज में फायर एनओसी के लिए निरीक्षण करने पहुंचा था दमकल अधिकारी, मांगी थी डेढ़ लाख रुपये की रिश्वत

कॉलेज प्रबंधन से 50 हजार रुपये लेकर आया था दमकल अधिकारी, एक लाख की ओर कर रहा था डिमांड, कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

- फायर एनओसी देने के लिए मांगी रिश्वत
- संचालक ने उच्च अधिकारियों को भेजी शिकायत, तुरंत प्रभाव से एक्शन

नर्सिंग कॉलेज में फायर एनओसी के लिए निरीक्षण करने पहुंचे दमकल केंद्र अधिकारी यासीन खान ने कॉलेज संचालक से 50 हजार रुपये लिए। साथ ही वह एक लाख रुपये और मांगने लगा। इस पर कॉलेज संचालक ने दमकल विभाग के उच्च अधिकारी को शिकायत देकर दमकल केंद्र अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इस पर विभाग के निदेशक मनीष चौधरी ने रविवार को कार्रवाई करते हुए दमकल केंद्र अधिकारी को निलंबित कर दिया गया। कॉलेज संचालक नरेंद्र बाल्याण ने बताया कि उन्होंने कॉलेज में फायर एनओसी के लिए जिला प्रशासन व दमकल विभाग को आवेदन किया था।

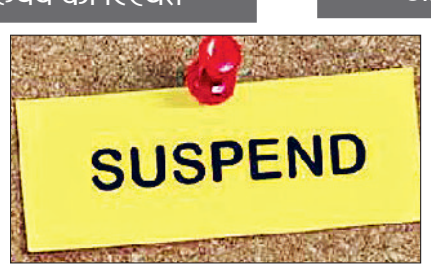

यह था मामला

कॉलेज में निरीक्षण करने के लिए उपायुक्त डा. मनोज कुमार ने अतिरिक्त उपायुक्त के नेतृत्व में कमेटी का गठन किया था। कमेटी में अतिरिक्त उपायुक्त के अलावा एसडीएम, तहसीलदार, सिविल सर्जन, लोक निर्माण विभाग के कार्यकारी अभियंता, हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी को शामिल किया गया था। उन्होंने बताया कि 27 जून की शाम 5 बजे दमकल केंद्र अधिकारी यासीन खान कमेटी के बजाय अकेले कॉलेज में आया।

इस दौरान दमकल केंद्र अधिकारी निरीक्षण के एवज में उनसे डेढ़ लाख रुपये रिश्वत मांगने लगा। इस दौरान उन्होंने 50 हजार रुपये दे दिए। इसके बाद दमकल केंद्र अधिकारी ने उनसे एक लाख रुपये की और मांग की। इस पर उन्होंने पैसे देने से मना कर दिया। जिसके चलते उन्होंने विभाग के उच्च अधिकारियों को शिकायत दी। अब फायर एंड एमरजेंसी सर्विस के निदेशक मनीष चौधरी की ओर से जारी आदेश में तुरंत प्रभाव से निलंबन के निर्देश दिए है। उनको हरियाणा सिविल सर्विस पनिसमेंट एंड अपील रूल-2016 के तहत निलंबित किया गया है।

विभाग के निदेशक ने जारी किए आदेश

सोनीपत के हैप्पी चाइल्ड नर्सिंग कॉलेज में फायर एनओसी के लिए निरीक्षण के दौरान दमकल केंद्र अधिकारी यासीन खान की ओर से कॉलेज संचालक से रिश्वत मांगे जाने की शिकायत मिली थी। इसके चलते निदेशक की ओर से दमकल केंद्र अधिकारी को निलंबित किया गया है।

गुलशन कालड़ा, उप निदेशक, दमकल विभाग

कार से टक्कर मारने के आरोपी गिरफ्तार

सोनीपत। मुरथल थाना पुलिस ने कार की टक्कर मारकर हत्या प्रयास की वारदात में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित मंदीप निवासी मुरथल व सत्यवान निवासी मेहंदीपुर का है। पुलिस ने आरोपितो को अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। रिमांड अवधि के दौरान आरोपितो से पूछताछ की जा रही है।

- अदालत ने आरोपितों को दो दिन के रिमांड पर भेजा

मुरथल निवासी दीपक ने गत 2 जुलाई को पुलिस से शिकायत देकर बताया कि वह सीमेंट बेचने का काम करता है। देर शाम को करीब 5.30 बजे वह अपने दोस्त महाबीर के साथ स्टॉक पर खड़ा था। तभी एक तेज रफ्तार कार उनकी तरफ आई। वह कुछ संभालते तो कार की चपेट में आ गए। उसका दोस्त महाबीर कार की चपेट में आने से बेहोश हो गया। उसे भी चोट आ गई। उसके बाद कार सवार मौके से फरार हो गया। कार चालक को वह जानता था। उसने दो दिन पहले ही उससे 50 हजार रुपये की राशि ली थी।

लेकिन उसने मना कर दिया कि वह रुपये नहीं देगा। क्योकि वह काम नहीं करता है। उसने जान से मारने का प्रयास करते हुए उनपर गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया था। मामले में कार्रवाई करते हुए उप निरीक्षक ललित की टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितो को अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें दो दिन के पुलिस रिमांड पर भेजा है। रिमांड अवधि के दौरान आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

स्कूल लिपिक से असिस्टेंट कमांडेंट बने सुनील गोदारा

परीक्षा में देशभर में 152वां रैंक किया हासिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ गन्नौर

यूपीएससी द्वारा घोषित सीएपीएफ असिस्टेंट कमांडेंट के परीक्षा परिणाम में 152वां रैंक हासिल कर राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गढ़ी झंझारा के लिपिक सुनील गोदारा ने स्कूल का नाम रोशन किया है। सुनील पिछले दो वर्षों से इसी विद्यालय में तैनात है। सुनील ने बताया कि इससे पूर्व 6 बार लेफ्टिनेंट के साक्षात्कार और 4 बार फ्लाइंग ऑफिसर के साक्षात्कार में असफल हो चुके हैं। असिस्टेंट कमांडेंट का भी ये उनका चौथा और अंतिम प्रयास था। जिसमें उनकी मेहनत रंग लाई और देश सेवा हेतु वर्दी पहनने का उनका सपना साकार हुआ। उन्होंने बताया की ड्यूटी के दौरान स्कूल स्टाफ का पूरा सहयोग रहा जिस कारण वह आज सफल हुए हैं । स्टॉफ सदस्य अनुपम रापड़िया, विनय भारद्वाज, अंकुर, सतबीर, बिजेंद्र, सुनील, सतीश, रामकरण, संजय आदि स्टाफ के सदस्यों ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की ।

मां आशा वर्कर और पिता किसान

सुनील गांव पीली मंढोरी जिला फतेहाबाद के निवासी है। उनकी मां आशा वर्कर व पिता किसान है। छोटी बहन ने भी अभी दिल्ली विश्वविद्यालय से वकालत की पढ़ाई पूरी की है। जनवरी में ही उन्होंने साइकोलॉजी का नेट क्लियर किया था और गेट में भी ऑल इंडिया 63वीं रैंक हासिल की थी। सुनील ने अपनी पढ़ाई जवाहर नवोदय विद्यालय से और ग्रेजुएशन रामजस कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय से किया है। सुनील ने इस सफलता का श्रेय अपने माता पिता, प्राचार्य राजबीर पराशर और स्कूल के स्टाफ को दिया। शिक्षकों ने उनकी सफलता को जमकर सराहा।

फ्रीडा खामोश रहने लगी थी

1954 आते-आते फ्रीडा खामोश रहने लगी। उसके फेफड़ों की नलियां खराब हो चुकी थीं। एक दिन सुबह के छह बजे जब नर्स उसके कमरे में आई तो उसने देखा फ्रीडा की आंखें खुली हुई हैं। मौत से पहले उसने अपनी डायरी में अंतिम बार लिखा-मुझे आशा है कि मेरा अंत सुखद होगा और मैं लौटकर वापस कभी नहीं आऊंगी। 14 जुलाई को छह सौ से अधिक लोगों ने उसे अंतिम विदाई दी। उसे ऑटोमैटिक कॉर्ट पर रखा गया। अवन के दरवाजे खुले और फ्रीडा की मृत देह आग की तरफ गई। उसके बाल जलने लगे, लेकिन लोगों ने देखा उसका चेहरा सूरजमुखी के फूल की मानिंद खिल गया था जिस पर मुस्कुराहट थी।

जयंती विशेष

गीता यादव

उजालों में छुपी लड़की फलक का रंग-रोशन कर गई.....

फ्रीडा का समूचा जीवन एक फंतासी की मानिंद रहा। अपने छोटे से जीवनकाल में उसने नाउम्मीदी, उदासी, तन्हाई और बेवफाई जैसे कई बदरंग मंजर देखे। लेकिन बावजूद इसके उसने आशा और उम्मीद का दामन कभी नहीं छोड़ा। अंतिम सांस तक वह हंसती-खिलखिलाती रही और ज़िंदादिली के साथ दुनिया को अलविदा कहा।

छह जुलाई, 1907। मैक्सिको का उपनगर कोयोअकैन। बारिश की बूंदों से नहाई एक सुबह। फ्रीडा काहलो बारिश की बूंदों पर नन्हे-नन्हे पैर धरते हुए इस दुनिया में आईं थीं। बारिश की वे बूंदें, जैसे दुख बनकर उसके जीवन में सदा के लिए ठहर गईं। जो आंसुओं की शक्ल में उनकी आंखों से यदा-कदा बाहर आती रहीं। मिसेज मटिल्डा काल्डेरोन और मिस्टर गिलर्मो काहलो की तीसरी बेटी माग्दालेना कारमेन फ्रियदा (फ्रीडा) की पैदाइश के बाद से ही मां की सेहत गिरने लगी। नर्स की छाती से लगकर फ्रीडा ने मातृ सुख का अनुभव किया। फ्रीडा के जन्म के तीन साल बाद मैक्सिकन क्रांति की शुरुआत हुई, जिसका असर जल्द ही पूरे मैक्सिको में नजर आने लगा। गोरिल्ला आर्मी का आतंक बढ़ गया था। इसी आतंक के साए में फ्रीडा स्कूल जाने लगी। मैक्सिको सिटी के जर्मन प्राथमिक स्कूल में वह अपनी बहन के साथ जाती। बड़ी शरारती थी वह, लेकिन पढ़ाई में अव्वल। छह वर्ष की मासूम फ्रीडा एकाएक पोलियो की गिरफ्त में आ गई। उसका दायां पैर पतला हो गया। अपने पैरों को छुपाने के लिए उसने ऊंची एड़ी के जूते और लंबी रंगीन स्कर्ट पहननी शुरू कर दी। बच्चे उसे टूटी टांग वाली फ्रीडा कहकर उसका मजाक उड़ाते। धीरे-धीरे वह एकांतप्रिय होने लगी। घर में पाले गए जानवर उसके दिल के बेहद करीब होते गए। फिजूल की बातों से उसका ध्यान हटाने के लिए पिता ने उसे उसे चित्र बनाना सिखाया। समय बीतता रहा। फ्रीडा डॉक्टर बनना चाहती थी, इसलिए उसका दाखिला नेशनल प्रोप्रेटरी स्कूल में कराया गया। यह मैक्सिको का नामी-गिरामी स्कूल था। वहां उसकी मुलाकात एलेजेंड्रों गोमेज से हुई। जल्दी ही उनकी दोस्ती प्यार में तब्दील हो गई। 17 सितम्बर, 1925 को गोमेज के साथ घर लौटते समय उसकी बस एक ट्रॉली से टकरा गई। एक लोहे का सरिया उसके शरीर के अंदरूनी हिस्से को भेदता हुआ बाहर निकल गया। डॉक्टरों ने आशंका जताई की शायद वह मातृत्व सुख से वंचित रह जाएगी। कुछ समय अस्पताल में रहने के बाद वह घर वापस आ गई। पूरा जिस्म प्लास्टर से ढका था। ऐसे में गोमेज ने भी उसका साथ छोड़ दिया। फ्रीडा टूट गई थी। एक दिन पिता ने उसे ज़िंदगी का सबसे यादगार तोहफा दिया। कुछ ऑयल कलर्स, ब्रश और कैनवास देकर रंगों की दुनिया से उसका परिचय कराया। मां ने बढ़ई बुलाकर उसके पलंग को कुछ ऐसे तैयार कराया, ताकि वह लेटे-लेटे भी पेंटिंग कर सके। साथ ही पलंग के बीचों-बीच एक आईना भी लगाया, जिसमें वह अपनी छवि देखकर खुद से प्रेरणा ले सके। यहीं से फ्रीडा का आत्मचित्र बनाने का सफर शुरू हुआ।

पोलियो की गिरफ्त में

छह वर्ष की मासूम फ्रीडा एकाएक पोलियो की गिरफ्त में आ गई

मजाक

बच्चे फ्रीडा का खूब मजाक उड़ाते थे और अकेले में अपनी बेबसी पर वह रोती थी

अंतिम बार लिखा

मौत से पहले उसने अपनी डायरी में अंतिम बार लिखा-मुझे आशा है कि मेरा अंत सुखद होगा और मैं लौटकर कभी नहीं आऊंगी

फ्रीडा की कविता

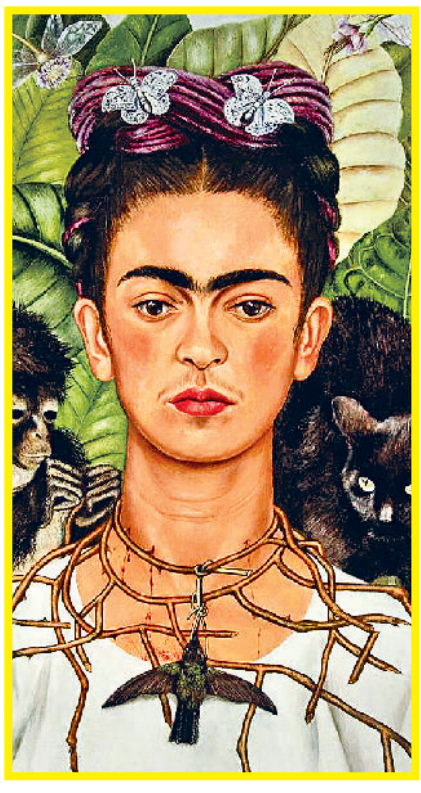

मेरा प्यार

मैं अपनी जिंदगी में तुम्हारी मौजूदगी कभी नहीं भूलूंगी
क्योंकि तुमने मुझे तब संभाला, जब मैं तबाह हो चुकी थी
तुमने मुझे फिर से संपूर्ण बनाया
नहीं तो, मैं इस छोटी-सी धरती पर इतनी शान-ओ-शौकत से
अपने आपको कहां खड़ा कर पाती
अब समय नहीं है और दूर कुछ भी नहीं है
सिर्फ सच्चाई है, जो हमेशा से थी
अब जो नजर आता है, वह है जड़ें
जो बिल्कुल साफ नजर आती हैं
वो जड़ें हैं उस पेड़ की,
जो अब बड़ा हो चुका है और फल देने लगा है
तुम्हारे फल खुशबू देते हैं,
तुम्हारे फल रंग देते हैं जो कि खुशी से उग रहे हैं
और वो खुशी है हवा की और खिलने की
तुम उस पेड़ से अपनी दया दृष्टि कभी मत हटाना
जिसके लिए तुम एक सूरज समान हो
वो पेड़, जिसने तुम्हारे बीज को संजोकर रखा है
और मेरे प्यार का नाम है दिएगो।

1926 में पहला आत्मचित्र बनाया

फ्रीडा के बनाए आत्मचित्र कला-जगत के श्रेष्ठतम आत्मचित्रों में से एक हैं। 1926 में उसने पहला आत्मचित्र बनाया। उसने अपने चित्रों में चमकीले रंगों और मैक्सिकन लोक कला को भी प्रमुखता से उभारा। उसके चित्रों में मिट्टी की तरह घुलकर भाव की बाढ़ के साथ एकात्म हो जाने की अद्भुत क्षमता थी। उस समय जब फ्रीडा के चारों ओर नाउम्मीदी, उदासी और तन्हाई पसरी हुई थी और खुशी-चहक की लौ धुंधलाती जा रही थी, तब रंगों ने उसे आसरा दिया। धीरे-धीरे वह स्वस्थ होने लगी। उसने नेशनल प्रोपेटरी स्कूल में चित्रकारी औरक्ले-मॉडलिंग कोर्स में दाखिला लिया। फोटोग्राफर टीना मोदोत्री के जरिये वह यंग कम्युनिस्ट लीग से जुड़ी। एक दिन पार्टी के दौरान उसकी मुलाकात विश्व के मशहूर म्यूरल कलाकार दिएगो रिवेरा से हुई। दिएगो ने उसे मैक्सिको की सबसे पुरानी और मशहूर कला पर काम करने के लिए प्रेरित किया। जल्द ही यह मुलाकात दोस्ती से प्यार और फिर शादी तक पहुंच गई। 21 अगस्त, 1929 को दोनों का विवाह हो गया। दिएगो के साथ वह कुर्नेवाका आ गई और वहां उसने कुछ चित्र बनाए। 1930 में साल की शुरुआत में वह दिएगो के साथ सैन फ्रांसिस्को गई। वहां फ्रीडा ने ' फ्रीडा एंड दिएगो रिवेरा डबल पोट्रेट बनाया। पहली बार लोगों ने उसकी इस पेंटिंग को सैन फ्रांसिस्को सोसायटी ऑफ वीमेन आर्ट की छठी वार्षिक प्रदर्शनी में देखा और काम की सराहना की। इस बीच कई बार उसका गर्भपात हुआ, जिससे वह टूट गई। उसने संतान न होने के दुख को अपने चित्रों में उतारा। इस बीच वह दिएगो के साथ फिलाडेल्फिया और डेट्रॉइट गई, लेकिन उसे मैक्सिको के अलावा कोई जगह रास न आई। दोनों के बीच झगड़े बढ़ने लगे। 1939 में दोनों तलाक लेकर अलग-अलग रहने लगे। एक बार फिर फ्रीडा को सैन फ्रांसिस्को गोल्डन गेट अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी के ललित कला पैलेस में अपनी पेंटिंग समकालीन मैक्सिकन कला को दर्शाने का अवसर मिला। । उसके चित्रों में स्त्री के अस्तित्व और अंतर्मन की दुनिया उभर रही थी। इन चित्रों में उसकी एकाग्रता, गहराई और दर्द की अभिव्यक्ति चकित कर देने वाली थी।

और एक बार फिर वक्त बदला

वक्त बदला और एक बार फिर दिएगो ने उसके सामने शादी का प्रस्ताव रखा। फ्रीडा और दिएगो 8 दिसम्बर, 1940 को फिर विवाह के बंधन में बंध गए। फ्रीडा की शोहरत दूर-दूर तक फैल चुकी थी। वह उन 25 बुद्धिजीवी कलाकारों में से एक थी, जिन्हें शिक्षा मंत्रालय द्वारा मैक्सिकन संस्कृति की संगोष्ठी के लिए चुना गया था। 1940 में मैक्सिको सिटी में आयोजित अंतरराष्ट्रीय अति चर्चित चित्र प्रदर्शनी के लिए मशहूर चित्रकारों के साथ उसके चित्रों को रखा गया।

पुरस्कारों, समितियों की सदस्यता व फेलोशिप की बाढ़ सी आ गई थी। बड़ी-बड़ी चित्र प्रदर्शनियों में उसके चित्रों की मांग होने लगी। उसे आर्ट्स एंड साइंस के राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया। 1950 को फ्रीडा की रीढ़ की हड्डी में तकलीफ के कारण लबे समय तक अस्पताल में रहना पड़ा। यहां वह दिएगो और बहन क्रिस्टीना के साथ खूब मस्ती करती। फिल्में देखती, चुटकुले सुनाती। कविताएं व डायरी लिखती। फ्रीडा के प्रशंसक लोला अल्वारेज ब्रावो ने उसके जीते जी एक बड़ी प्रदर्शनी लगाने का निश्चय किया। उस प्रदर्शनी को देखने सारा शहर उमड़ पड़ा था। फ्रीडा को एंबुलेंस में लाया गया।

यादों की रहगुज़र

- पूरे जीवन में फ्रीडा के तीस छोटे-बड़े ऑपरेशन हुए, लेकिन उसने जीने का हौसला कभी नहीं छोड़ा। फ्रीडा ने 200 पेंटिंग्स, ड्राइंग और स्कैच बनाए। इन में 143 पेंटिंग्स और 55 आत्मचित्र हैं।
- अस्पताल में डॉक्टरों की सख्त मनाही के बाद भी पेंटिंग बनाना जारी रखा। उसने रंगों की बजाय लिपस्टिक और आयोडीन का सहारा लिया।
- फ्रीडा ने पशु-पक्षियों के मूक संसार को अपने अपने कैनवास पर बड़ी ही खूबसूरती से जीवंत किया।
- फ्रीडा ने दोस्त से उपहार में मिली लाल डायरी को अपने सुख-दुख का साथी बनाया। इस डायरी पर जे.के. लिखा था।
- फ्रीडा के मृत शरीर को अवन में रखा गया तो उसके बाल जल रहे थे, लेकिन उसका चेहरा सूरजमुखी के फूल की मानिंद खिला हुआ था।

रागनी | डॉ. शील कुमार 'गंगा पुत्र'

पर्यावरण प्रदूषण

प्रदूषण नै सारे देश का, कर दिया भुण्डा हाल।
प्रकृति की शरण मैं चाल्ओ, जै होणा सै खुशहाल ।।

छोट्टे-बड्डे सब शहरां मैं,कारखान्यां की लाग्यी लैन।
इनमें माणस पैसण लाग रे,फेर भी मन मैं कोन्या चैन ।
पशु-पक्षी भी मरते गैल,बैच्छगे सारे जाल।।
प्रकृति की शरण मैं चाल्ओ,........

स्याही तै भी काल्आ धुमा,छोड़ैं सैं ये मोटर कार।
शोर-शराबा खूब करैं सैं,कारखाने और मोटर कार ।
जंगल कटगे ना बसाती पार, [illegible]ीणा होया बेहाल।।
प्रकृति की शरण मैं चाल्ओ,........

वायु मंडल होया प्रदूषित, जल भी कोन्या साफ रह्या।
खाण पीण की सब चीजआं मैं,देखो कितना जहर होया।
धरती मां पर बोझ होया, इब्ब करणा होगा ध्यान।।
प्रकृति की शरण मैं चाल्ओ,........

इन्ह शहरां तैं दूर ले चालो, मैं गाम देखणा चाहूं सूं ।
नदी,जलाशय और झरण्यां की, जलधार देखना चाहूं सूं ।
मैं शील नै समझाऊं सूं ,पर्यावरण का करल्यो ध्यान।।
प्रकृति की शरण मैं चाल्ओ,........

प्रदूषण नै सारे देश का, कर दिया भुण्डा हाल।
प्रकृति की शरण मैं चाल्ओ, जै होणा सै खुशहाल।।

रागनी | सत्यवीर नाहड़िया

राग हुवैं छै-तीस रागनी, कोये छत्तीस गिणावैं।
दिखे राग की राणी हों ये,रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

कळी अर तोड़ हुवैं सैं, इसकी धड़कण प्यारी।
कई तरां की कळी बतायी,
हो ताल-तरज न्यूँ न्यारी।
गावण की न्यारी लयकारी,ये तिन्नूँ खास बणावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

हरियाणा अर चोगरदे नै,ये सदा गूँजती आयी।
माँग साँग की भोत कदे थी,आ[illegible] फुटकड़ छायी।
वही रागणी पूरी पायी,जो कसी [illegible] म्हं जावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

गाम-गाम म्हं मिलैं गवैये,साज बजावैं न्यारे।
ढोलक-पेट्टी घड़वा-बैंजू,ताल मिलावैं सारे।
कथ कै गाग्ये बड्डे म्हारे,इब कौण उसी रच पावैं?
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

हरियाणा के सांगी-गायक,खूब दूर लग छाये।
कह 'नाहड़िया' कलमतोड़ वै, न्यारे इतिहास बणाये।
गावण के घर दूर बताये,पर रोज भतेरे गावैं।
दिखे राग की राणी हों ये, रै न्यूँ बिदबान बतावैं।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

बातचीत

प्रोसेसिंग तकनीकी से ताजा फल विपणन, सूखाकर खेलड़ा बनाना, बीज, जैम व कैच-अप जैसे घरेलू उत्पादों को बढ़ावा देंगे चचेरे किसान भाई

ऑर्गेनिक फ्रूट ककड़ी व मतीरी से लाखों का मुनाफा कमाया

किसान | दलबीर सिंह भूना

लागत

कम लागत में प्राकृतिक फूट की खेती से मालामाल

बचाव

कीड़ों से बचाने के लिए नीम की फली से तेल बनाते हैं

उत्पाद

ककड़ी के गूदे से कैच-अप, जैम कर सकते हैं तैयार

जांडलीखुर्द गांव के दो किसानों ने मिलकर तीन साल पहले पांच एकड़ रेतीली बैरानी खेत में ऑर्गेनिक फूट ककड़ी व राजस्थानी मतीरी की खेती शुरू की थी, जिन्होंने कम लागत में प्राकृतिक फूट ककड़ी व राजस्थानी मतीरी की हजारों क्विंटल फसल बेचकर मालामाल हो गए हैं। वजीर सिंह पूनिया व नवीन पूनिया ने बताया कि चार वर्ष पहले पानी के अभाव में परंपरागत खेती पर्याप्त नहीं हो पाती थी। अब ऑर्गेनिक फूट ककड़ी व राजस्थानी मतीरी की खेती से प्रति एकड़ 70 हजार से लेकर एक लाख के बीच में बचत हो रही है। क्योंकि बिजाई के बाद खर्चा नहीं है और ज्यादा पानी की जरूरत नहीं होती।

ऐसे करते हैं रोगों का बचाव

किसान वजीर सिंह पूनिया ने बताया कि फूट ककड़ी को जंगली छिपकली, गिलहरी व पक्षियों तथा नील गायों से नुकसान पहुंचने का खतरा रहता है। ऐसे में ज़रूरी है कि बुआई के बाद और फल आने के समय फसल की रखवाली करें। पौधों में लाल व ऐपीलेकना भंग, सफेद व फल मक्खी और रस चूसने वाले कीटों के प्रकोप की आशंका बनी रहती है। इनसे बचाव के लिए खेत से ऑर्गेनिक सब्जियों की खेती शुरू की थी। फसल को कीड़ों से बचाने के लिए नीम की फली से तेल बनाकर उसका उपयोग में लिया और बाद में गोमूत्र में पानी मिलाकर उसका छिड़काव से किया। नीम पत्ती चूर्ण को 10 किलोग्राम राख के मिश्रण को टाट की थैली में भरकर सुबह के समय पौधों पर भुरकाव करें। इस खेती में खाद के रूप में गोबर की सड़ी हुई खाद और फसल के सड़े हुए अवशेष डालकर काम लिया गया। दोनों किसानों ने फूट ककड़ी व राजस्थानी मतीरी की ऑर्गेनिक खेती में शामिल कर लिया है।

कई उत्पाद हो सकते तैयार

वजीर सिंह ने बताया कि फूट ककड़ी के पके फलों को ज्यादा दिनों तक ताजा सुरक्षित नहीं रखा जा सकता। इसलिए तुड़ाई के बाद लंबे समय तक उपयोग में लाने के लिए इनकी प्रोसेसिंग किसान कर सकते हैं। फूट ककड़ी के फलों के गूदे से कैच-अप, जैम एवं निर्जलीकरण (सुखाना) से खेलड़ा तथा बीजों से गिरी तैयार की जा सकती है। इस तरह से घरेलू स्तर पर मूल्य संवर्धन से स्वरोजगार और लाभ प्राप्त किया जा सकता है। फूट ककड़ी उत्पादन और प्रोसेसिंग से ताजा फल विपणन, खेलड़ा बनाना, बीज, जैम व कैच-अप से लाखों की आय प्राप्त की जा सकती है।

विशेषज्ञ की राय

फूट ककड़ी गर्म और शुष्क मौसम की फसल है, इसलिए रेतीले बैरानी जमीन का वातावरण इसकी खेती के लिए उपयुक्त है। यह फसल 35-40 डिग्री तापमान में भी उग जाती है। बीजों के अंकुरण के लिए 20-22 डिग्री सेल्सियस और पौधों व फलों के विकास के लिए 32-38 डिग्री तापमान की ज़रूरत होती है। इसकी खेती के लिए रेतीली व बलुई-दोमट मिट्टी उपयुक्त हैं। 6.5-8.5 तक पी.एच. मान वाली कम उपचाऊ मिट्टी में भी फूट ककड़ी की खेती सफलतापूर्वक की जा सकती है।

-डॉक्टर श्रवण कुमार
जिला बागवानी अधिकारी, फतेहाबाद

देहात से कम होता जा रहा है देसी लोक पेयों का चलन

◆ स्वास्थ्यवर्धक पेय छाछ या लस्सी विलुप्ति की ओर ◆ बोतलबंद पेय पदार्थों ने देसी पेयों को गुमशुदगी के दौर में पहुंचाया ◆ छाछ को बिना पैसे की दवाई कहा जाता

रहन सहन | डॉ दयानंद कादयान

आज भौतिकता और बाजारवाद में हरियाणा के देहात से प्राकृतिक खेती और सेहतमंद भोजन को कम किया है। आधुनिकता व रेडिमेड संस्कृति ने गांव देहात के देसी पेयों छाछ, दही, शिकंजी व राबड़ी से भी आम जनमानस को दूर कर दिया है। आधुनिक बोतलबंद पेय पदार्थों के हमले ने देसी पेयों को गुमशुदगी के दौर में पहुंचा दिया है। देहात में सर्वसुलभ और स्वास्थ्यवर्धक पेय छाछ या लस्सी या सीत भी अब विलुप्ति की ओर जा रहा है। अब उनके स्थान पर कोका-कोला, ड्यू व कैंपा आदि ने ले लिया है, जो सेहत के लिए बेहद नुकसानदायक है। रेडिमेड पेयों ने सीत, रबड़ी सत्तू व शिकंजी को गौण स्थानों पर पंहुचा दिया है।

बेशक ये देसी पर पदार्थ गौण अवस्था में पहुंच गए हों। पुरातन काल से हरियाणा के गांव देहात में परंपरागत पेय पीने की रिवाज रही है। हमारे बड़े-बड़ेरे जानते थे कि गर्मियों में हमारे शरीर को ठंडाई की बड़ी जरूरत रहती है, क्योंकि ज्येष्ठ, आषाढ़ की गर्मी से निकलने वाले पसीने से मनुष्य का शारीरिक, मानसिक संतुलन गड़बड़ा जाता है। पसीने के माध्यम से शरीर से लवण और विटामिन निकलते रहते हैं। शरीर में जलापूर्ति के लिए अच्छे पेय पदार्थों की जरूरत पड़ती रहती है। पारंपरिक पेय शरीर में शारीरिक, मानसिक तृप्ति भी करते हैं। वहीं गर्मी के प्रकोप से होने वाले रोगों से हमारे शरीर को बचाए रखते हैं। हरियाणा प्रदेश के घर-घर में गाय भैंस आदि दुधारू पशु बहुतायत में पाए जाते थे। हमारे खेती-बाड़ी

का आधार पशुपालन रहा है। इन दुधारू पशुओं के दूध से छाछ व दही आदि तैयार किए जाते थे। छाछ व दही के लिए कलेवारी सी दूध को कढावणी में डालकर हारे में गर्म होने के लिए रखा जाता था। शाम को दूध की मलाई में गाढ़ा कढ़ा दूध बिलौनी में डाला जाता था। इसके बाद शाम को दूध भी कढावणी में मिलाकर के उसमें जामन मिलाया जाता था। जामन में लैक्टोबैसिलस जीवाणु होते थे जो दूध को दही या छाछ में बदल देते है। ये सारी की सारी किण्वन क्रिया विज्ञान पर आधारित होती थी। तैयार दूध को घर की बूढ़ी बड़ेरी बड़े जतन से रई डालकर मुंह अंधेरे मथती या बिलौती थी। गांव देहात में सुरमय स्वर लहरी गूंज उठती थी। इसके साथ-साथ लोक लकड़ी भी गाई जाती थीः-*गजर-मजर दूध बिलोवै, गुजरी का बच्चा रोवै। रौवै सै तो रोवन दे, मैंने दूध बिलोवण दे।*

विलोए हुए दूध से घी निकाला जाता था,जिसे नूणी घी कहा जाता था। इसके अलावा बिलौनी में जो तरल पदार्थ शेष रह जाता, उसे छाछ या लस्सी या सीत कहा जाता था।ये लस्सी लूओ वाली गर्मी में ठंडक का आनंद देती थी। देहात में एक कहावत भी प्रचलित है कि काणी दादी शीतघालिये, लखण तो ईसा करै सै आक तेरै दूध घाल दूं।फिर भी छाछ हरियाणवी लोकोक्तियों,कहावतों, जकड़ियों में विशेष रूप से गाया जाता है। छाछ के फायदे अनगिनत है।छकछ हमारे देहाती भोजन का मूलाधार है।लस्सी या छाछ देहात में केवल पेय नहीं है, अपितु बहुत सारी सब्जियां चटनी, रायता,कढी व भुजी छाछ के दम पर बनती है। गांव में यह कहावत भी प्रचलित है कि? पतली सी छाछ, खाटे से भी जाए?यानी खाटा की तरकारी व राबड़ी लस्सी से ही बनती है।इसके अलावा कोई भी छाछ से ही तैयार होती है।साथ में सभी अमीर गरीब का सांझा होता है। यह एक तरह का सांझला या समाजवादी पेय पदार्थ होता है, जो गांव में एक दूसरे को हर रोज बांटा जाता रहा है। हाली पाली मुंह अंधेरे ही अपने खेतों व जंगल को निकल चुके होते हैं।घर की महिलाएं छाछ रोटी लेकर खेतो में छकियारी बनकर पंहुचती हैं। छाछ राबड़ी और रोटी जंगल में मंगल कर देती हैं। देहात में यह ब्रेकफास्ट नही अपितु इसे काम छोड़ या कल्लेवारी का भोजन कहा जाता था।

देहात में छाछ को बिना पैसे की दवाई कहा जाता है क्योंकि शरीर में प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि करके शरीर के स्वाभाविक विकास में सहायता देती है। यही कारण है की देहाती लोग छाछ को अमृत्तुल्य मान कर भोजन के साथ इसका इस्तेमाल करते हैं। छाछ निःशुल्क खट्टी मीठी औषधि का कार्य भी करती है। देहाती लोगों का मानना है कि छाछ के नियमित सेवन से राहचुंधा रोग नहीं होता। इसमें विटामिन ए की मात्रा पर्याप्त बताई जाती है, जो आंखों की रोशनी बढ़ाने में सहायक होती है। छाछ शरीर में बनने वाले यूरिक एसिड का दमन करती है इससे कफ, वात पित्त रोगों का नाश होता है। आज रेडिमेड संस्कृति ने हमारे पुरातन लोकपेयों को पर्दे के पीछे धकेल दिया है तथा आधुनिक बोतल बंद शीतल प्रयोग की बाढ़ आ गई । इन बोतलबंद पेय पदार्थ से की जाती है ,जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। हम आधुनिक पेयों को तो पसंद करते हैं लेकिन दही से बने पेयों की उपेक्षा कर रहे हैं। आओ हम अपने परंपरागत लोक पेयो सीत, रबड़ी, सत्तू व शिकंजी को दोबारा प्रचलन में लाएं ताकि हमारे सेहत ज्यों की त्यों बनी रहे।

छाछ-राबड़ी का चोली दामन का साथ

देहात में छाछ -राबड़ी का चोली दामन का साथ रहा है। वैसे भी इस प्रदेश के देहात में रावड़ी को केवल ग्रीष्म ऋतु का अमृत माना जाता है। देहात में मुख्तया जौ तथा बाजरे के आटे की राबड़ी बनाई जाती है,जिसे गर्मी का अमृत मान जाता है। राबड़ी का सेवन अक्सर प्रातः काल में ही किया जाता है। जौ से बनाई जाने वाले रबड़ी को देहात में ग्हार की रबड़ी का जाता है। जो बाजरे के आटे से बनी राबड़ी से अधिक शीतल और सुपाच्य होती है। प्रात राबड़ी के सेवन से वायु प्रकोप में कमी व संतुष्टि आ जाती है। अधिक अम्ल और पाच्य रसों को अवशोषित करती हुई, इसका आसानी से निष्कासन होता है।

खबर संक्षेप

नूपुर के लिए 15 करें आवेदन

सोनीपत। कला एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग, हरियाणा द्वारा आयोजित किए जा रहे शास्त्रीय नृत्य, कथक तथा भरतनाट्यम पर आधारित 12 दिवसीय कार्यशाला एवं एक दिवसीय कार्यक्रम नुपुर 2024-25 के ऑडिशन के लिए आवेदन करने की अंतिम तिथि 15 जुलाई है। डीआईपीआरओ राकेश गौतम ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम में केवल हरियाणा मूल के युवा व उभरते कलाकार जिनकी आयु 15 से 35 वर्ष हो, भाग ले सकते हैं। उन्होंने शर्तों की जानकारी देते हुए बताया कि शास्त्रीय कत्थक नृत्य तथा भरतनाट्यम ऑडिशन में भाग लेने हेतु कोई यात्रा / दैनिक भत्ता नहीं दिया जाएगा। आवेदक आवेदन करते समय नाम, विधा, आयु, जन्म तिथि, स्थान (जिला), पिता का नाम, मोबाइल नम्बर जरूरी है।

मजदूरों की अनदेखी सरकार को भारी पड़ेगी

सोनीपत। जिला सीटू की बैठक प्रधान अनीता की अध्यक्षता में, पंचायत भवन सोनीपत में सम्पन्न हुई, मीटिंग का संचालन सुनीता ने किया। मीटिंग को संबोधित करते हुए सीटू के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा एवं सीटू की राज्य नेता सुनीता ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा मजदूरों की अनदेखी करना भारी पड़ेगा । उन्होंने आह्वान करते हुए कहा कि केंद्र व राज्य सरकार की मजदूर एवं महिला विरोधी नीतियों के खिलाफ 11 जुलाई को भाजपा विधायक मोहनलाल बड़ोली के आवास पर रोष प्रदर्शन कर, मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सोपा जाएगा। जिसमें आशा, आंगनवाड़ी, मिड डे मील, क्रैच वर्कर्स ,ग्रामीण एवं शहरी सफाई कर्मचारी, मनरेगा मजदूर, बीपीएस महिला मेडिकल कॉलेज खानपुर के आउटसोर्स कर्मचारी, विश्वविद्यालय मुरथल के आउटसोर्स कर्मचारी रहेंगे।

जोगी समाज को लेकर बैठक का आयोजन

सोनीपत। सोनीपत के दिल्ली रोड स्थित नाथ टावर, आस्कर होस्पिटल के सामने गली में जोगी समाज के लिये यह बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक की अध्यक्षता प्रदेशाध्यक्ष सत्यपाल योगी जी ने की। मंच का संचालन प्रदेश मीडिया प्रभारी सुभाष भट्टी ने किया। आज की बैठक में राष्ट्रीय कानूनी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष पवन रावल एडवोकेट, संगठन के संयोजक व पूर्व प्रदेशाध्यक्ष राजबीर दिपालपूर, जोगेन्दर हरसाना कलां चौंक पंचायत अधिकारी, प्रवीण गोहाना, संतलाल सीनियर आडिटर, मुकेश सिंह आदि मौजूद थे।आज की बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रदेशाध्यक्ष सत्यपाल योगी ने कहा कि सरकार ने 04-05- 2023 को मुख्यमंत्री हरियाणा द्वारा मंजूर की गयी मांगों की समीक्षा की गई।

पर्यावरण संरक्षण : प्रतियोगिता में जिया भारद्वाज प्रथम

नालंदा स्कूल में वन महोत्सव के समापन पर कविता प्रतियोगिता

गोहाना-जींद मार्ग स्थित नालंदा इंटरनेशनल स्कूल में चल रहे वन महोत्सव का समापन हो गया

गोहाना। पौधों के साथ नालंदा स्कूल के शिक्षक और विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

गोहाना-जींद मार्ग स्थित नालंदा इंटरनेशनल स्कूल में चल रहे वन महोत्सव का समापन हो गया। वन महोत्सव के समापन पर स्कूल में पर्यावरण संरक्षण विषय पर कविता प्रतियोगिता करवाई गई। प्रतियोगिता में प्रतिभागी विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मार्गदर्शन स्कूल की एमडी रीना मलिक का रहा और अध्यक्षता प्राचार्य वीरेंद्र मलिक ने की।

कविता प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने वनों का महत्व और प्राकृतिक सौंदर्य विषयों पर अपनी प्रस्तुति दी। इस प्रतियोगिता में कक्षा 9वीं की छात्रा जिया भारद्वाज अव्वल रही। छात्रा वंशिका ने दूसरा और राधिका ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में शिक्षक नीलम और दिनेश शामिल रहे। वन महोत्सव के समापन पर स्कूल में पर्यावरण संरक्षण विषय पर कविता प्रतियोगिता करवाई गई। वन महोत्सव में विद्यार्थियों ने स्कूल परिसर में पौधारोपण किया और सडक से गुजरने वाले वाहनों को रूकवाकर उनमें सवार लोगों में भी पौधे वितरित किए।

राज्यस्तरीय निबंध लेखन विजेता सम्मानित

गोहाना। रविवार को अखिल भारतीय जोगी योगी समाज हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष सत्यपाल योगी ने राज्य स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता की उप विजेता छात्रा सृष्टि को सम्मानित किया। सृष्टि गांव करेवड़ी की निवासी है। जीवीएम महाविद्यालय सोनीपत में पर्यावरण परिवर्तन विषय पर राज्यस्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता करवाई गई। प्रतियोगिता में जिला सोनीपत सहित विभिन्न जिलों से विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में गांव करेवड़ी निवासी इसी महाविद्यालय में बी फार्मा की छात्रा सृष्टि दूसरे स्थान पर रही। छात्रा को जोगी योगी समाज संगठन के संयोजक व पूर्व प्रदेशाध्यक्ष राजबीर दिपालपुर, प्रदेश मीडिया प्रभारी सुभाष भट्टी, राष्ट्रीय कानूनी प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एडवोकेट पवन रावल व राज्य कानूनी प्रकोष्ठ के प्रदेशाध्यक्ष सुनील ने सम्मानित किया।रविवार को अखिल भारतीय जोगी योगी समाज हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष सत्यपाल योगी ने राज्य स्तरीय निबंध लेखन प्रतियोगिता की उप विजेता छात्रा सृष्टि को सम्मानित किया। इस मौके पर छात्रा सृष्टि के दादा देवी सिंह, राममेहर, सूरजभान, छात्रा के पिता जयवीर, मास्टर सुनील, प्रवीण, लक्ष्य, सन्नी, अशोक, रोनित व अंकित उपस्थित रहे।

गोहाना। छात्रा सृष्टि को सम्मानित करते हुए अखिल भारतीय जोगी योगी समाज हरियाणा के प्रतिनिधि। फोटो : हरिभूमि

छात्राओं को दिलाई सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करने की शपथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

मुरथल अड्डा स्थित पीएम राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में यूथ एवं इको क्लब की तरफ से आयोजित सात दिवसीय दस्तक कैंपेन का रविवार को अंतिम दिन रहा। अंतिम दिन के कार्यक्रम की थीम प्लास्टिक को कहो ना, रही। स्कूल प्राचार्य सुमन बाला के निर्देशन में छात्राओं ने विभिन्न गतिविधियों में बढ़ चढ़कर भाग लिया और अपना ज्ञान वर्धन किया। समापन सभा में कार्यक्रम प्रभारी भूगोल प्राध्यापिका दर्शन कुमारी ने छात्राओं को प्लास्टिक के प्रयोग से होने वाले हानिकारक प्रभावों से अवगत कराया। इस दौरान सभी को सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग नहीं करने की शपथ दिलवाई गई। प्राचार्य सुमन बाला ने प्लास्टिक की जगह अन्य पदार्थ से बनी वस्तुओं के इस्तेमाल करने पर जोर दिया। इको क्लब प्रभारी साक्षी चांदना व योगिता ने पर्यावरण को संरक्षण के उपाय बताए।

गोहाना। शहर में वीर बन्दा बैरागी द्वार बनवाने की मांग करते हुए महासभा के प्रतिनिधि। फोटो : हरिभूमि

नगरपरिषद से वीर बन्दा बैरागी द्वार बनवाने की मांग

गोहाना। वीर बन्दा बैरागी सभा गोहाना इकाई के सदस्यों ने रविवार को बैठक की। बैठक में समाज के लोगों ने नगरपरिषद प्रशासन से शहर में वीर बन्दा बैरागी द्वार का निर्माण करवाने की मांग की। महासभा के संरक्षक रामफल स्वामी ने कहा कि महासभा द्वारा बीती 9 जून को गोहाना के सेक्टर 7 में वीर बन्दा बैरागी का शहीदी दिवस मनाया गया था। समारोह में नगरपरिषद की चेयरपर्सन रजनी विरमानी को बतौर अतिथि आमंत्रित किया गया था। उस दौरान महासभा के सदस्यों ने नगरपरिषद की चेयरपर्सन से शहर में वीर बन्दा बैरागी द्वार का निर्माण करवाने की मांग की गई थी। महासभा के अध्यक्ष राजकुमार ने कहा कि कार्यक्रम में चेयरपर्सन ने भी द्वार बनवाने की घोषणा की थी। राजकुमार ने कहा कि शहर में वीर बन्दा बैरागी द्वार का निर्माण करवाया जाए। बैठक में संजीव स्वामी, पहलवान सत्यवान, जगतीराम स्वामी, मास्टर सुभाष, सचिन स्वामी, रामफल स्वामी और रामेश्वर स्वामी आदि समाज के गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

सोनीपत। पौधारोपण के दौरान मौजूद पदाधिकारी व अन्य। फोटो : हरिभूमि

पेड़ों के बगैर धरती पर जीवन संभव नहीं

सोनीपत। जनहित अभियान फाउंडेशन के द्वारा ओमेक्स सिटी में पोधा रोपण अभियान चलाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि आईसीएस कोचिंग सेंटर के निर्देशक परीमल कुमार ने पौधा लगाकर किया। अभियान को शुरू और कहा कि वृक्ष धरती का श्रृंगार है। पेड़ो के बगैर धरती पर जीवन संभव नहीं फाउंडेशन के अध्यक्ष नरेंद्र हुड्डा ने बताया कि मुहिम मे नीम जामुन बेलगरी आंवला के 35 पौधे लगाए। इस अवसर पर समाज सेवी स्टेट अवॉर्डी दिलबाग सिंह,बबिता,अंग्रेजी प्रवक्ता पूर्ण सिंह, गणित प्रवक्ता संजय सिंह, मास्टर परवीन आर्य, बिंदु इंजीनियर, नीतू, जेई राजेश,मास्टर विकास दहिया,सुमित राठी, डा बिजेंद्र,जसवीर कादियान, हरिपाल मलिक,उपस्थित रहे।

सरकार से मिल प्लॉटो पर कब्जे पहले किया हवन

सोनीपत। जुआं गांव के बीपीएल परिवारों ने प्लाटों पर कब्जा करवाई करने से पहले हवन करके भंडारा किया। गांव में बीपीएल परिवार ने खुशियां मनाएं। इस अवसर पर विधायक सुरेंद्र पवार पूर्व विधायक सुखबीर फरमाना जिला पार्षद संजय बड़वासनिया गांव के सरपंच विनोद गांव के सरपंच सुरेंद्र भोला रमेश मामन नानू सचिन रामेश्वर सहित भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। जिला पार्षद संजय बड़वासनिया ने कहा कि गरीब परिवारों को जिस तरह राम ने 14 वर्ष का वनवास काटा था इस तरह जुआं गांव के विपिन परिवारों ने भी 14 साल के बाद न्याय मिला है। उन्होंने कहा कि बीपीएल परिवारों के लिए सरकार जो भी योजनाएं लागू करें। तुम का तुरंत लाभ मिलना चाहिए और जो अधिकारी सरकारी योजनाओं को ठीक होने से लागू नहीं करता। उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। सरकारी योजनाएं गरीब परिवारों के लिए चालू तो कर दी जाती है लेकिन उसका लाभ गरीब परिवारों तक नहीं पहुंच पाता।

गोहाना विस में 56 करोड़ से हुआ विकास: कृष्ण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता एवं पूर्व

- भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता का दावा, भय का माहौल बर्दाश्त नहीं करेगी सरकार, अब बदमाशों के जरूर होंगे एनकाउंटर

गोहाना। पत्रकारों से बातचीत करते भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता कृष्ण ढुल।

चेयरमैन कृष्ण ढुल ने कहा कि प्रदेश सरकार सीएम नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सबका साथ-सबका विकास की नीति के तहत विकास कार्य कर रही है। इसी के चलते गोहाना विधानसभा क्षेत्र में बीते 8 महीने में 56 करोड़ से अधिक के विकास कार्य कराएं गए हैं। वे रविवार को महम रोड के नजदीक स्थित भाजपा कार्यालय में पत्रकार वार्ता कर रहे थे। कृष्ण ढुल ने कहा कि सरकार ने क्षेत्र में सडकों के निर्माण पर करीब 22 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। इसके अलावा अन्य राशि से गांवों में सामुदायिक केंद्रों, चौपाल के निर्माण व मरम्मत, खेतों व फिरनी के रास्तों को पक्का कराया गया है। वहीं 10 से अधिक गांव में खेल नर्सरियां, पार्क व व्यायामशालाएं व अन्य कार्य कराए गए हैं, जिनका लाभ आमजन को मिल रहा है। गोहाना समेत अन्य जगहों पर व्यापारियों को रंगदारी की मांग व धमकियों को लेकर कहा कि यह मामला सरकार के संज्ञान में है। अब अगर कोई भय का माहौल पैदा करता है तो उसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अब बदमाशों के एनकाउंटर भी जरूर होंगे।

कोयले की भट्ठियों पर बनेगा देसी घी में घेवर व मिठाई

खरखौदा। राजीव दीक्षित के विचारों से प्रेरणा लेकर शुद्धता पर काम करने वाले राकेश मलिक ने हवन यज्ञ व पूजा अर्चना के साथ सैदपुर गौशाला के सामने देसी घी व देसी खांड से बने घेवर व जलेबी कोयले की भट्ठी पर बनाने बेचने का काम शुरू किया। इस दौरान जो भी यहां पर घेवर खरीदने के लिए आए उन्हें मिठाई के साथ साथ फ्री में एक पौधा भी दिया जा रहा है, ताकि पौधारोपण से पर्यावरण को भी लाभ मिल सके। यहां मिठाई की बिक्री से जो भी कमाई होगी, वह दान स्वरूप गौशाला को दी जाएगी। इस बार गौशाला को डेढ़ महीने में 12 लाख रुपए की राशि दान में देने का लक्ष्य है। पिछले सीजन में गौशाला को 11 लाख का दान मिठाई बेचने से आई कमाई में दिया था और अब तक गौशालाओं को करीब 60 लाख रुपए दान दे चुके हैं।

स्वास्थ्य जांच शिविर में 141 ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। शिविर के दौरान मौजूद पदाधिकारी व अन्य। फोटो : हरिभूमि

सेफ इंडिया फाउंडेशन व अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन जिला सोनीपत इकाई, महिला व युवा जिला इकाई, श्याम बाला जी सेवा मंडल, रोटरी क्लब ऑफ सोनीपत एक्सीलेंस, कृष्णा देवी श्याम मिष्ठान भण्डार द्वारा शम्भूदयाल स्कूल मे आयोजित मेगा स्वास्थ्य जाँच कैंप का 142 मरीजों ने लाभ लिया। सेफ इंडिया फाउंडेशन के प्रधान संजय सिंगला व चेयरमैन वाई के त्यागी ने बताया कि हर महीने के पहले रविवार को यह कैंप लगेगा ताकि जरूरतमंद लोग अपना इलाज करवा सके। सम्मेलन के प्रधान अनिल गुप्ता व महासचिव एडवोकेट अरविन्द मित्तल ने बताया कि संजोग हस्पताल की टीम के डॉक्टर दीपक जनरल फिजिशियन,हड्डियों के डॉक्टर रवि, महिला रोग विशेषज्ञ डॉक्टर पूनम व भारत दुआ द्वारा 142 मरीजों के शुगर बी पी, ई सी जी व स्वास्थ्य जाँच की गई। आँखों के 82 मरीजों की जांच संजोग हस्पताल के डॉक्टर रिया द्वारा की गई जिसमे से 13 मरीजों के हस्पताल द्वारा मुफ्त मे ऑपरेशन किये जायेंगे, डॉक्टर वरुण शर्मा व डॉक्टर इरफान द्वारा 22 मरीजों के दांतो का चेकअप किया गया , गौतम एक्यूप्रेशर द्वारा 10 मरीजों की जांच, वर्मा लैब द्वारा मुफ्त मे टेस्ट किये गए व छाती के स्पेशलिस्ट डॉक्टर प्रदीप खोखर ने 08 मरीजों की जाँच की, कैम्प इंचार्ज बलराज वशिष्ठ व प्रियांशु वशिष्ठ ने बताया कि डॉक्टर एसएन गुप्ता व राजेश गुप्ता द्वारा मरीजों को तीन दिन की दवाई मुफ्त मे दी गई जो सोनू कालरा द्वारा बांटी गई, संस्थाओं द्वारा शम्भूदयाल स्कूल की कार्यकारिणी का विशेष आभार जताया गया।

लोकेश कौशिक की स्मृति में रक्तदान शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| खरखौदा

सिसाना गांव में लोकेश कौशिक की स्मृति में उसके परिजनों द्वारा नेहरू युवा स्पोर्ट्स क्लब, आर्यावर्त ब्लड कमांडो व आर्यावर्त नारीशक्ति के सहयोग से रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। लोकेश के बड़े भाई मदन कौशिक ने बताया कि लोकेश का जन्म 18 अप्रैल 2007 को हुआ था और 13 मई 2022 को बीमारी के कारण अल्पायु में ही उसका निधन हो गया था। परिवार ने उसकी स्मृति में रक्तदान शिविर आयोजित करने का निर्णय लिया है, ताकि किसी को लोकेश की तरह खून की कमी से तड़पना ना पड़े।

खरखौदा। शिविर में रक्तदान करते हुए रक्तदाता। फोटो : हरिभूमि

रक्तदान शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में तिरंगा युवा समिति के संस्थापक अध्यक्ष सामाजिक कार्यकर्ता नवीन खांडा ने उपस्थिति दर्ज करवाई और विशिष्ट अतिथि के रूप में राज्यपाल अवार्डी, पूर्व राष्ट्रीय युवा स्वयं सेविका रेड क्रॉस की आजीवन सदस्या, सामाजिक कार्यकर्ता पारुल दहिया ने महिला रक्तदाताओं को रक्तदान से होने वाले लाभों के प्रति जागरूक करते हुए उनको रक्तदान के लिए प्रेरित किया। मंजीत देवी, कांता, मोनिका, सरोज आदि दस महिलाओं सहित 70 ने रक्तदान कर दिवंगत आत्मा की शान्ति की प्रार्थना की।

नेशनल इंटरस्टेट की 10 हजार मीटर दौड़ स्पर्धा में पाई सफलता

विधायक ने कांस्य पदक विजेता वंश को दी बधाई

- हरियाणा की बेहतरीन खेल नीति के कारण गांवों से निकलकर खिलाड़ी कर रहे हैं देश का नाम रोशन
- गांव गढ़ शहजानपुर में वंश के स्वागत में आयोजित कार्यक्रम में विधायक मोहन लाल बड़ौली ने की शिरकत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सोनीपत। कार्यक्रम के दौरान मौजूद पदाधिकारी व अन्य। फोटो : हरिभूमि

पंचकुला में आयोजित नेशनल इंटरस्टेट सीनियर चैंपियन-2024 की 10 हजार मीटर दौड़ स्पर्धा में कास्य पदक जितने वाले गांव गढ़ शहजानपुर के वंश के स्वागत में उनके गांव में स्वागत समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें राई से विधायक एवं हरियाणा भाजपा महामंत्री मोहन लाल बड़ौली ने पहुंचकर बेटे वंश का जोरदार स्वागत किया। विधायक ने वंश की इस सफलता पर उसको व उसके परिजनों को बधाई देते हुए कहा कि एक छोटे से गांव से निकलकर अरूण ने जो उपलब्धि होसिल की है वो अपने आप में ऐतिहासिक है।

विधायक ने कहा कि बेटे वंश ने नेशनल इंटरस्टेट सीनियर चैंपियनशिप की 10 हजार मीटर दौड़ स्पर्धा में कास्य पदक जीतकर अपने माता-पिता व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। मैं भगवान से यही दूआ करता हूं कि वंश आगे भी ऐसे ही जीत हासिल करें और अच्छा खेल प्रदेर्शन करते हुए प्रदेश का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा गांव में बहुत से ऐसे खिलाड़ी है जिनमें प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, बस कमी है तो सुविधाओं की। इसी चीज को ध्यान में रखते हुए प्रदेश सरकार ने प्रदेश के गांवों में खेल नर्सरियां खेलने का निर्णय लिया और आज प्रदेश के गांवों में सरकारी खेल नर्सरियां अनेक खिलाड़ियों के खेल को निखारने का कार्य कर रही है। विधायक ने कहा कि गांव में खेल नर्सरी होने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि खिलाड़ी को प्रैक्टिस के लिए कहीं दूर शहर में नहीं जाना पड़ता उसको गांवों में ही अच्छी सुविधाएं व कोच उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार बेहतरीन खेल नीतियों का ही परिणाम है आज हमारे प्रदेश के खिलाड़ी छोटे स्तर से लेकर ओलंपिक तक पदक हासिल कर देश का नाम रोशन कर रहे है। सरकार द्वारा प्रदेश में सभी खेलों के अनेक स्टेडियम बनाएं गए है ताकि खिलाडियों को अपने क्षेत्र में ही अच्छा मैदान मिल सके। इसके अलावा सरकार ने खिलाडियों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण दिया जा रहा है। इसके अलावा ओलंपिक में मेडल जीतने वाले खिलाडियों को प्रदेश सरकार द्वारा देश में सबसे ज्यादा प्रोत्साहित राशि उपलब्ध करवाई जा रही है। इस मौके पर वंश के परिजन तथा सैकड़ों ग्रामवासी मौजूद रहे।

गोहाना। पौधारोपण करते हुए संगठन के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

समाज कल्याण संगठन ने 28 पौधे रोपे

गोहाना। समाज कल्याण संगठन ने अपने साप्ताहिक अभियान में रविवार को 28 नए पौधे रोपे। रोपे गए प्रत्येक पौधे को ट्री गार्ड से संरक्षित किया गया। नगर परिषद के एक कर्मचारी के बेटे ने इसी अभियान में पौधा रोप कर अपना जन्मदिन बनाया। पौधारोपण अभियान की अध्यक्षता संगठन के अध्यक्ष आनंद जांगड़ा ने की। पौधारोपण सिविल रोड के साथ वार्ड नंबर 4 की शिव कॉलोनी में किया गया। संगठन ने जो 28 पौधे रोपे, वे पौधे पालम खीरा, नीम, जामुन और पापड़ी के रहे। पहले से लगे हुए पुराने पौधों की गुलाई और गुड़ाई भी की गई। इस पौधारोपण में नगर परिषद के कर्मचारी प्रवीण कुमार का परिवार भी पहुंचा। प्रवीण के बेटे सुशांत ने अपने 13वें जन्मदिन पर पौधारोपण किया तथा उसकी नियमित रूप से देखभाल करने का संकल्प किया। इस पौधारोपण के अवसर पर सुशांत के दादा रणधीर सिंह, दादी संतरा देवी, मां कविता और बहन निधि भी पहुंचे। पौधारोपण के लिए श्रमदान बलजीत जांगड़ा, मुकेश, राजेश, साहिल, प्रवीण बूरा, अरनोज, जगदीश, प्रवीण व सुभाष दरोगा आदि ने किया।

- नगर परिषद कर्मचारी प्रवीण कुमार के परिवार ने अपने बेटे सुशांत का 13वां जन्मदिन भी पौधारोपण के साथ मनाया

14 सितंबर को लगेगी लोक अदालत

सोनीपत। मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण (डीएलएसए) की सचिव मीनू ने बताया कि जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण के अध्यक्ष प्रमोद गोयल के नेतृत्व में 14 सितंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। जिला स्तर के अलावा गोहाना, गन्नौर, खरखौदा न्यायिक परिसर में आपसी सहमति से केसों का निपटारा किया जाएगा। लोक अदालत में न्यायालय में लंबित फौजदारी समाधेय, चेक बाउंस केस (धारा 138 एक्ट के मामले), बिजली और पानी के बिल मामले निपटाए जाएंगे।

सूचना

मैं सुनीता खत्री पत्नी बिजेंद्र सिंह H. NO. 312, Street No.05, Ward No. 10 Near Kuldeep Narsari, Jiwan Vihar, Sonipat Tehsil & Distt. Haryana, India Pin 131001 की रहने वाली हुं। मैंने अपना नाम सुनीता खत्री से बदलकर सुनीता देवी कर लिया है। भविष्य में मुझे सुनीता देवी के नाम से जाना जाएं।

खबर संक्षेप

अवैध शराब की वारदात में शामिल आरोपित काबू

सोनीपत। बहालगढ़ थाना पुलिस ने अवैध शराब की वारदात में शामिल एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित सुमित निवासी पुराइया मैनपुर उत्तर प्रदेश का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस ने वारदात में शामिल एक आरोपित को पहले काबू कर लिया था। उप निरीक्षक समुंद्र ने बताया कि उनकी टीम गश्त के दौरान देवी लाल पार्क के पास मौजूद थी। उसी दौरान अवैध शराब से भरी कार को टीम ने पकड़ा। जिसमें अग्रेंजी शराब की पेटी व देशी शराब की पव्वों की पेटी मिली। पुलिस ने इस संबंध में बहालगढ़ थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया था। मामले में कार्रवाई करते हुए उप निरीक्षक अनिल कुमार की टीम ने वारदात में शामिल आरोपित सादिक को पहले गिरफ्तार कर लिया था। वारदात में शामिल दूसरे आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

घर के बाहर से कार चोरी, मुकदमा दर्ज

सोनीपत। गोहाना रोड स्थित ओमनगर में चोर घर के बाहर से कार चोरी कर ले गए। मुकेश यादव ने बताया कि वह अपने बड़े भाई मनोज की कार लेकर किसी काम से बाहर गए थे। वापस आकर कार को घर के बाहर गली में खड़ा कर दिया। सुबह उठे तो कार नहीं मिली। कार को कोई रात को चोरी कर ले गया। मामले को लेकर पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी की फुटेज खंगाली जा रही है। चोर का पता लगाकर गिरफ्तार किया जाएगा।

सोनीपत व पानीपत में प्रशिक्षण कार्यक्रम 27 जुलाई को होगा

प्रदेश के सभी जिलों में विद्यालय प्रबंध समिति के लिए आयोजित किए जाएंगे प्रशिक्षण सह सम्मेलन

■ सम्मेलन में महत्वपूर्ण कदम उठाने वाले एसएमसी सचिवों व अध्यक्षों को किया जाएगा पुरस्कृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

प्रदेश के सभी जिलों में विद्यालय प्रबंध समिति के लिए प्रशिक्षण सह सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। जिसको लेकर हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद ने शेड्यूल जारी कर दिया है। जिलास्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत 10 जुलाई को पंचकूला व अंबाला से की जाएगी। जबकि सोनीपत के साथ ही पानीपत में प्रशिक्षण कार्यक्रम 27 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। जिसका उद्देश्य सभी जिलों में स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) को मजबूत करना है। हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों सहित एसएमसी सचिव सह विद्यालय प्रधान को राजकीय स्कूलों में शिक्षा के स्तर सुधारने के साथ ही विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं मुहैया करवाने के निर्देश दिए हैं। जिसके लिए एसएमसी व स्कूल प्रबंधन को मिलकर काम करना होगा। अधिकारियों का कहना है कि एसएमसी स्कूलों के समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। सहयोगात्मक भावना को बढ़ावा देने और स्कूलों को परिवर्तन की इकाइयों के रूप में विकसित करने के लिए विभाग सभी जिलों में एसएमसी प्रशिक्षण सह सम्मेलन आयोजित करेगा। कार्यक्रम में विभिन्न बुनियादी कार्यक्रमों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले एसएमसी सदस्यों को पुरस्कृत किया जाएगा। इसके अलावा प्रत्येक जिले में 10वीं के दो टॉपर, 12वीं कक्षा के सभी संकाय के आठ टॉपर को भी पुरस्कृत किया जाएगा। इनमें एक लड़का व एक लड़की शामिल होंगे। इनके अलावा नीट व जेईई एडवांस में पांच उच्चतर स्कोर को भी पुरस्कृत किया जाएगा।

प्रशिक्षण का उद्देश्य

- एसएमसी सदस्यों और जिला एवं राज्य अधिकारियों के बीच सीधी बातचीत की सुविधा प्रदान करना।
- एसएमसी के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने को बढ़ावा देना।
- विभिन्न जिलों में एसएमसी के बीच सहयोग बढ़ाना।
- प्रमुख एसएमसी सदस्यों के बीच स्पष्टता और प्रेरणा बढ़ाना।
- नई शिक्षा नीति-2020 का सफल कार्यान्वयन करना।
- सामूहिक सीखने व नवीन जानकारियों को साझा करना।

इन विषयों पर दिया जाएगा प्रशिक्षण

वार्षिक व सामाजिक लेखा परीक्षा : पारदर्शिता व जवाबदेही बनाए रखने के लिए वार्षिक वित्तीय ऑडिट व सामाजिक ऑडिट करने की प्रक्रिया।

विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए प्रावधान: समावेशी शैक्षिक वातावरण को बढ़ावा देने के लिए विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के लिए पर्याप्त सुविधाएं व सहायता सुनिश्चित करना।

शैक्षणिक गतिविधियों की समीक्षा : विद्यार्थियों का बौद्धिक स्तर बेहतर बनाने के लिए शैक्षणिक गतिविधियों की नियमित समीक्षा और मूल्यांकन के लिए सर्वोत्तम अभ्यास।

बुनियादी ढांचा विकास व सिविल कार्य : अनुकूल शैक्षिक पर्यावरण प्रदान करने के लिए स्कूल के बुनियादी ढांचे की योजना, विकास व रखरखाव में एसएमसी की भूमिका।

विद्यालय विकास योजनाएं तैयार करना : दीर्घकालिक शैक्षिक लक्ष्य निर्धारित करने व प्राप्त करने के लिए व्यापक स्कूल विकास योजनाएं विकसित करना।

नई शिक्षा नीति का समर्थन : शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के निदेशों को समझना और लागू करवाना।

कब कहां होंगे कार्यक्रम

कार्यक्रम तिथि	जिले
10 जुलाई	पंचकूला व अंबाला
11 जुलाई	कुरुक्षेत्र व यमुनानगर
13 जुलाई	फरीदाबाद व पलवल
17 जुलाई	गुरुग्राम व नूंह
20 जुलाई	कैथल व करनाल
24 जुलाई	महेंद्रगढ़ व रेवाड़ी
25 जुलाई	भिवानी व चरखी दादरी
27 जुलाई	सोनीपत व पानीपत
31 जुलाई	रोहतक व झज्जर
02 अगस्त	फतेहाबाद व सिरसा
03 अगस्त	जींद व हिसार

जिलास्तर पर सम्मेलन

विद्यालय प्रबंध समिति के प्रशिक्षण के लिए जिलास्तर पर सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह प्रशिक्षण सह सम्मेलन कार्यक्रम एसएमसी सदस्यों की क्षमता बढ़ाएगा। जिससे एसएमसी अपने विद्यालयों के शैक्षिक विकास में बेहतर तरीके से सहयोग देना सुनिश्चित कर सकें। जिले में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 27 जुलाई को आयोजित किया जाएगा।

-नवीन गुलिया, जिला शिक्षा अधिकारी, सोनीपत।

संत कबीर दास भवन की आधारशिला रखी

खरखौदा। मटिंडू बाइपास स्थित संत शिरोमणि कबीर दास आश्रम में भवन निर्माण की आधारशिला रखी गई। जिसमें समिति प्रधान हीरालाल इंदौरा, उपाध्यक्ष अनिल एडवोकेट, कोषाध्यक्ष कैप्टन बलवान सिंह मूंदड़िया, सह कोषाध्यक्ष उमेद सिंह व समिति के सदस्यों ने भाग लिया। जिसमें आस-पास के गांवों के धानक समाज के गणमान्य व्यक्तियों ने उपस्थित होकर भवन निर्माण कार्य की नींव रखी व हवन किया गया। इस अवसर पर समिति प्रधान हीरालाल इंदौरा ने कहा कि जिस तरह कबीर दास ने अपने जीवन में लोगों का सही मार्गदर्शन करके ईर्ष्या, भेदभाव न करके आडंबर से दूर रहने की शिक्षा दी। उन्होंने अपने दोहों के माध्यम से सभी को सच्चा मार्ग दिखाने का कार्य किया। ऐसे विद्वानों द्वारा दिखाए गए मार्ग को अपना कर समाज के उत्थान के लिए कार्य करने चाहिए।

खरखौदा। संत कबीर दास भवन की नींव रखते हीरालाल इंदौरा व अन्य।

इस मौके पर रिंकेश, राकेश इंदौरा, प्रमोद इंदौरा, राजू धानक, प्रेम रोहणा, नवीन दहिया, सतीश प्रधान सिसाना आदि मौजूद रहे।

विज्ञान प्राध्यापिका ने अपना पक्ष रखते हुए अन्य प्राध्यापकों पर लगाए गंभीर आरोप

खरखौदा। पीएम वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खरखौदा की जीव विज्ञान विषय की लेक्चरर रितु ने नया खुलासा किया है। जिसमें उसने बताया है कि लेक्चर प्रायः कक्षाओं से बाहर रहते थे और कक्षाएं खाली रहती थी। स्टाफ रूम में लेक्चरर गप्पे हांकते रहते थे और बच्चे कक्षा में शोर मचाते रहते थे। उनके पास एक नहीं, बल्कि कई खाली कक्षाओं की रिकॉर्डिंग है। जिसकी वीडियो रिकॉर्डिंग शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों व माननीय कोर्ट में भी दिखाई जाएगी। लेकिन वह खुद हमेशा कक्षा में रहना पसंद करती थी। इसी से प्रिंसिपल को आपत्ति थी और प्रिंसिपल लगातार उसे परेशान करती थी। पिछले वर्ष भी उन्होंने एक शिकायत शिक्षा निदेशालय को दी थी। इस वर्ष भी उसने एक शिकायत शिक्षा निदेशालय को भेजी थी। तब जाकर उसका वेतन जारी किया था। हमेशा उसे नीचा दिखाने का कार्य भी प्रिंसिपल द्वारा किया जाता था। उसे झूठा साबित करने की कोशिश होती थी। इसीलिए उन्होंने वीडियो बनाई और जो वीडियो बनी वह एक खाली कक्षा की नहीं, बल्कि 5 से 7 कक्षाओं की बनी है। जिससे लेक्चर गायब रहे व बच्चे खाली बैठे रहे। प्राध्यापिका रीतु का कहना है कि इसीलिए अधिकतर स्टाफ ने उनके खिलाफ गवाही दी और प्रिंसिपल ने उनके खिलाफ षड्यंत्र रच उन्हें फंसाया गया। हालांकि प्रिंसिपल ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। रितु का कहना है कि वे अब जल्द ही शिक्षा निदेशालय के वरिष्ठ अधिकारियों व जिला शिक्षा अधिकारी से भी मिलकर सबूत सहित अपना पक्ष रखेंगी। उनका कहना है कि वह अपना पिछले 10 वर्षों का रिकॉर्ड छात्रों की प्रोग्रेस सहित शिक्षा निदेशालय को देंगी। इस बारे में जिला शिक्षा अधिकारी नवीन गुलिया स्पष्ट कर चुके हैं कि रिपोर्ट आने के बाद जांच करके सख्त एक्शन लिया जाएगा।

कैप्टन विक्रम बत्रा के खौफ से कांपते थे पाकिस्तानी

गोहाना। शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा को नमन करते हुए नागरिक। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

■ कैप्टन विक्रम बत्रा को उनके 25वें बलिदान दिवस पर किया याद, श्रद्धांजलि दी

परमवीर चक्र विजेता शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा के 25वें बलिदान दिवस पर रविवार को पुरानी सब्जीमंडी के समीप स्थित चंद्रशेखर आजाद पार्क में श्रद्धांजलि समारोह आयोजित किया गया। समारोह में नागरिकों ने कैप्टन की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके नमन किया। मुख्य वक्ता पार्क सुधार सभा के पूर्व अध्यक्ष रमेश मेहता ने कहा देश की दो महत्वपूर्ण चोटियां पाकिस्तान के कब्जे में थी। कारगिल युत्र में पाकिस्तानी घुसपैठिये वहां से लगातार गोलीबारी कर रहे थे। कैप्टन विक्रम बत्रा जब जब जंग ए मैदान में उतरे तो पाकिस्तानियों की हालत परस्त हो गई। विक्रम बत्रा काल बनकर पाकिस्तानियों पर टूट पड़े और चोटियों को पाकिस्तनी सेना के कब्जे से मुक्त करवाया। परमवीर चक्र विजेता शहीद कैप्टन बत्रा को प्यार से लोग लव और शेरशाह बुलाते थे। श्रद्धांजलि समारोह की अध्यक्षता आजाद हिंद देशभक्त मोर्चा के मुख्य संरक्षक आजाद सिंह दांगी ने की। उन्होंने कहा कि विक्रम बत्रा ने कारगिल के युद्ध में जाने से पहले अपनी मां से कहा था कि तिरंगा लहरा कर आऊंगा या तिरंगे में लिपटकर पर आऊंगा। आज पूरा देश उनकी कुबार्नी का कर्जदार है। समारोह में गुलशन नारंग, रमेश शर्मा, सरदार ओमप्रकाश, रमेश वसूजा, मनोहर लाल, सुभाष, रमेश बजाज, सुरेश गिरधर, संजू व महेश ने शहीद कैप्टन विक्रम बत्रा को नमन किया।

हैदराबाद से पुतली कला सीखकर लौटे शिक्षक अब विद्यार्थियों को देंगे प्रशिक्षण

सोनीपत। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय की तरफ से शिक्षा में पुतली कला की भूमिका विषय पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में जिले के दो शिक्षकों ने प्रतिभागिता की। हैदराबाद में आयोजित कार्यशाला में प्रतिभागिता करते हुए इन शिक्षकों ने पुतली कला के माध्यम से विद्यार्थियों को आसान व मनोरंजक तरीके से खेल-खेल में पढ़ाने के गुर सीखे। हैदराबाद में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में सोनीपत के गांव उदेशीपुर स्थित राजकीय प्राथमिक पाठशाला के शिक्षक संदीप व राजकीय प्राथमिक पाठशाला पुगथला के शिक्षक दिनेश कुमार रवाना हुए थे। राष्ट्रीय कार्यशाला में आठ राज्यों के 45 शिक्षकों ने भाग लिया था। इनमें प्रदेश से पांच शिक्षक कार्यशाला में भेजे गए थे। कार्यशाला में शिक्षकों को पुतली कला का प्रशिक्षण देने के साथ ही विषय को आसान बनाकर पढ़ाने के नए-नए तरीके बताए गए। इस दौरान शिक्षकों ने मंच पर प्रदर्शन भी किया। कार्यशाला में कई विशेषज्ञों ने प्रतिभागी शिक्षकों के साथ अपने विचार रखे थे। शिक्षकों ने कहा कि पुतली कला साहित्य, चित्रकला, मूर्तिकला, संगीत, नृत्य, नाटक जैसी सभी कला शैलियों को आत्मसात करती है तथा विद्यार्थियों को रचनात्मक क्षमताओं को विकसित करने में भूमिका निभाती है।

पत्नी की पुण्यतिथि पर रोपे 151 पौधे

खरखौदा। समाजसेवी भरत शर्मा ने पत्नी की पहली पुण्यतिथि पर गांव बरोना में हवन कराया, 151 पौधे लगाए और फ्री हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरूआत सरपंच गीता देवी ने गांव की मोतीवाड़ा चौपाल में पौधारोपण करके किया। फ्री हेल्थ चेकअप कैंप में किसान हॉस्पिटल की टीम द्वारा बीपी, शुगर आदि की जांच की गई और लोगों को फ्री दवाइयां दी गई। होम्योपैथिक डॉक्टर रोहन बरेजा ने 135 मरीजों की जांच की और उन्हें फ्री दवाइयां उपलब्ध करवाई। डॉ. ज्ञान सिंह ने 55 मरीजों की आंखों की जांच की और उन्हें फ्री दवाइयां दी। जोड़ों के दर्द सर्वाइकल आदि का राजू कोच ने उपचार किया। संदीप खटक, अनिल भारद्वाज ,अमन दहिया एडवोकेट सुरेश दहिया, संदीप पाराशर ,रोहित ,राहुल , शुभम ,आदित्य ,राम, आयुष ,दीपांशु ,संजीव, अंशुमन ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दिया।

वाहन चोरी करने की वारदात में शामिल आरोपित काबू

सोनीपत। कुंडली थाना पुलिस ने दो-पहिया वाहन चोरी करने की वारदात में शामिल आरोपित गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित नवीन निवासी खरखौदा का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। गढ़ी बाला निवासी रामफल ने गत 13 अगस्त को पुलिस से शिकायत देकर बताया कि वह अपने दो-पहिया वाहन को लेकर टोल प्लाजा के पास चाय की दुकान पर गया था। दुकान के बाहर बाइक खड़ी करके अपने खेत में चला गया। किसी ने उसकी बाइक को चोरी कर लिया। अपने स्तर पर बाइक की तलाश की, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया। पुलिस ने इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया था। मामले में कार्रवाई करते हुए जांच अधिकारी संजीत की टीम ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

लायंस क्लब गन्नौर द्वारा नए प्रधान ने शुरूआत में ही तीन समाज सेवा प्रोजेक्ट किए

■ नवनियुक्त प्रधान लायन हरजिंदर सिंह, सचिव विजय कुमार ने क्लब सदस्यों का आभार जताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

पानीपत। नवनियुक्त प्रधान हरजिंदर सिंह क्लब पदाधिकारी के साथ पौधरोपण करते हुए। फोटो :हरिभूमि

लायंस क्लब गन्नौर द्वारा लायंस वर्ष की वर्ष की शुरूआत क्लब के नवनियुक्त प्रधान लायन हरजिंदर सिंह व क्लब के पदाधिकारी के नेतृत्व में चार सेवा कार्यों का शुभारंभ किया। क्लब सदस्यों ने सबसे पहले पक्षी आश्रम में पक्षियों को दाना डाल और इसके बाद आश्रम में भंडारे का आयोजन किया। दूसरे समाज सेवा पखवाड़ा में श्री कृष्ण प्रणामी गोशाला में गायों के लिए चारे के 8100 रुपये दान में दिए और चारा दान किया। इसके बाद लायस क्लब कम्युनिटी सेंटर में फलदार और छायादार पौधों का रोपण किया गया। क्लब के प्रधान बने लायन हरजिंदर सिंह ने कहा कि लायंस क्लब गन्नौर पिछले 40 वर्षों से गन्नौर में सेवा कार्यों को कर रहा है। इस वर्ष भी क्लब द्वारा शहर व आसपास के गांव में करीब 5000 पौधों का रोपण करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा रक्तदान शिविर आंखों की जांच के लिए समय-समय पर अनुभवी चिकित्सकों द्वारा जांच करवाने को तरजीह दी जाएगी। क्लब के सचिव विजय कुमार ने सभी का आभार जताया। इस अवसर पर लायन रवी गर्ग, राजेंद्र गोस्वामी ,आरपी वर्मा ,विपिन त्यागी , सचिव विजय कुमार कोषाध्यक्ष नरेंद्र , एडवोकेट सुशील त्यागी , अजय त्यागी आदि सदस्यों ने अपना सहयोग दिया।

शिविर में 75 लोगों ने किया रक्तदान

गन्नौर। रोटरी क्लब ऑफ गन्नौर सेंट्रल सचिव सतीश चौधरी व भारत विकास परिषद के अध्यक्ष राजेंद्र कौशिक व योगेश कौशिक रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाते हुए। फोटो :हरिभूमि

गन्नौर। रोटरी क्लब ऑफ गन्नौर सेंट्रल व भारत विकास परिषद द्वारा रविवार को रेलवे रोड पर विश्वकर्मा मंदिर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 75 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ गन्नौर सेंट्रल के सचिव सतीश चौधरी ने कहा कि युवा वर्ग को यह समझना होगा कि किसी भी खुशी मौके पर फिजूल खर्ची करने की बजाए रक्तदान जैसे समाजहित के कार्य करने चाहिए, जिससे अन्य लोगों का भला हो सके। भारत विकास परिषद के अध्यक्ष राजेंद्र कौशिक व योगेश कौशिक ने कहा कि सबका कर्तव्य है कि युवा वर्ग को समाजहित के कार्यों में बढ़-चढ़कर भागीदार बनने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि रक्तदान किसी एक व्यक्ति की जान को तो बचाता ही है बल्कि साथ-साथ में कुछ व्यक्ति के जीवन से जुड़े अन्य परिवारजनों की आशाओं को भी जीवित रखता है, क्योंकि यह किसी भी रक्तदाता को पता नहीं होता कि उसके द्वारा दान किया गया रक्त कितने जरूरतमंद व्यक्ति को मिल रहा है। शिविर में डॉ मनोज ने कहा कि एक यूनिट रक्त तीन व्यक्तियों की जान बचा सकता है । इस अवसर पर क्लब के प्रधान अमित त्यागी,पवन जिंदल ,सचिन जैन ,राजेश ,विकास मलिक , जितेंद्र ,हरिओम ,योगेश कौशिक, राजेंद्र व तरुण सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 0130-2989288, 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

समारोह

सफलता के मार्ग में कठिनाई आने पर कभी नहीं घबराए : पुनीत त्यागी

प्रतिभावान छात्रों को सम्मान मिलना चाहिए, इससे उत्साह व लग्न बढ़ती है : सुरेश

■ त्यागी समाज हरियाणा द्वारा आयोजित किया गया सम्मान समारोह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

त्यागी समाज हरियाणा द्वारा रविवार को गांव बड़ी में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें समाज के सिविल जज के अलावा एचपीएससी में चयनित एचसीएस अलाइड के अलावा समाज के अन्य मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि त्यागी समाज हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश त्यागी ने शिरकत की। इसके अलावा अखिल भारतीय गालव त्यागी ब्राह्मण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पुनीत राई विशिष्ट अतिथि पहुंचे। कार्यक्रम में पहुंचने पर त्यागी समाज के महासचिव प्रमोद त्यागी, कोषाध्यक्ष डॉ. यश देव त्यागी ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में समाज के मेधावी छात्रों को सम्मानित करने पहुंचे हिमांशी त्यागी सिविल जज दिल्ली , अमित त्यागी एंप्लॉयमेंट ऑफिसर कुरुक्षेत्र और साहिल त्यागी अगवानपुर एचसीएस अलाईड 2024 बैच नए समाज के 50 छात्र छात्राओं को सम्मानित किया। त्यागी समाज हरियाणा के अध्यक्ष सुरेश त्यागी ने छात्रों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। त्यागी ने कहा कि शिक्षा के बगैर मानव में संस्कार डालना टेड़ी खीर है इसलिए संस्कारवान समाज के लिए शिक्षा आवश्यक है। जब तक शिक्षा का स्तर अच्छा नहीं होगा। किसी समाज का स्तर सुधर नहीं सकता। प्रतिभावान छात्रों को सम्मान मिलना चाहिए। इससे उनमें उत्साह व लगन बढ़ती है। प्रतिभा उभर कर सामने आती हैं। समाजसेवी पुनीत त्यागी ने कहा कि हमें हर बच्चे को संस्कारवान बनाना है। सफलता के मार्ग में कठिनाइयां आती हैं। इनसे बिल्कुल न घबराएं। यदि हमारे मार्ग में बाधाएं नहीं हैं तो मानिए कि हम गलत रास्ते पर हैं। पुनीत त्यागी ने विद्यार्थियों से कहा कि सफलता का एक मात्र फामूर्ला कठिन परिश्रम है लेकिन परिश्रम भी सही दिशा में होना चाहिए। जैसे किसान जब समय से खाद और पानी देता है तभी अच्छी फसल होती है। वैसे ही विद्यार्थियों को करना चाहिए। इस मौके पर कोषाध्यक्ष डॉ. यश देव त्यागी, सरपंच प्रतिनिधि अरुण त्यागी बड़ी, नीरज त्यागी बड़ी, गन्नौर नगर पालिका अध्यक्ष अरुण त्यागी आदि मौजूद थे।

गन्नौर। त्यागी समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश त्यागी सम्मानित करते हुए साथ में समाजसेवी पुनीत त्यागी। फोटो :हरिभूमि